वर्ष – 2024 के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओ की सूची

I. व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

S.No.	सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन		
1		श्री आईथा मल्लिकार्जुना	श्री आईथा मल्लिकार्जुना 88% गतिविषयक दिव्यांगजन हैं। उन्होनें दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दो वर्ष की उम्र से पोलियो प्रभावित होने के बावजूद, उन्होंने शैक्षणिक और व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता हासिल की। समावेशी दिव्यांगजन उद्यमी संघ (IDEA) जैसे संगठनों की स्थापना की, जिसने 1,060 दिव्यांगजन उद्यमियों को समर्थन दिया और 2,500 से अधिक व्यक्तियों को रोजगार दिलाया। उनके प्रयासों को "पिलर ऑफ सिविल सोसाइटी " जैसे पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।उनका सफर समाज में समावेशिता लाने और दूसरों को सामाजिक उद्यमिता अपनाने के लिए प्रेरित करने का उदाहरण है।
2		श्री प्रतीक खंडेलवाल	श्री प्रतीक खंडेलवाल 75% गतिविषयक दिव्यांग है। वे 'रैंप माई सिटी' के संस्थापक तथा भारत में दिव्यांगजनों के लिए शहरी पर्यावरण को अधिक सुगम्य बनाने वाले अग्रणी सामाजिक उद्यमी हैं। उनके नवाचारी कार्य ने हजारों लोगों को सशक्त किया है और उन्हें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाए हैं।
3		श्री अमर जैन	श्री अमर जैन, एक 100% दृष्टिबाधित कानूनी पेशेवर हैं तथा भारत में दिव्यांगजनों के लिए सुगम्यता, नीति सुधार और वित्तीय समावेशन के लिए अग्रणी वकील रहे हैं। अपने अविरल प्रयासों के माध्यम से, उन्होंने ऐसे प्रणालीगत परिवर्तन लाए हैं जिसने कई जीवनों को सशक्त किया है।
4		श्री अर्पण शर्मा	श्री अर्पण शर्मा, एक 60% मानसिक दिव्यांग पैरा-एथलीट हैं, जिन्होंने पावरलिफ्टिंग, एथलेटिक्स और बोचीया जैसी प्रतियोगिताओं में राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीतकर चुनौतियों पर विजय पाई है। उनका प्रेरणादायक सफर न केवल व्यक्तिगत पुरस्कार लाया है, बल्कि दिव्यांग समुदाय के लिए प्रेरणा और उपलब्धि का एक शक्तिशाली प्रतीक भी बना है। अर्पण की समर्पण और अटूट आत्मविश्वास ने उन्हें एक ऐसा प्रेरक बनाया है, जिससे अन्य लोग भी सामाजिक बाधाओं को तोड़ने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित होते हैं।

5		सुश्री छोंजिन अंगमों	सुश्री चोंजीन आंगमो एक 100 % दृष्टिबाधित खिलाड़ी हैं। उन्होनें पर्वतारोहण, साइक्लिंग, तैराकी, फुटबॉल और अन्य कई खेलों में अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों के माध्यम से सीमाओं और धारणाओं को तोड़ दिया है। अपनी दिव्यांगता के बावजूद, उन्होंने माउंट कनामो और कांग यात्जे 2 जैसे शिखरों को फतह किया, सियाचिन ग्लेशियर पर दिव्यांग लोगों की सबसे बड़ी टीम के लिए वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया, और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई पदक जीते हैं। आंगमो की अटूट आत्मविश्वास और अविरल संकल्प ने उन्हें एक प्रेरक प्रतीक बना दिया है, जो दिव्यांग लोगों को अपने सपनों को पूरा करने और संभावनाओं की सीमाओं को पुनर्परिभाषित करने के लिए प्रेरित करता है।
6		सुश्री प्रियंका दीपक दबड़े	सुश्री प्रियंका दीपक दबड़े, एक 100% श्रवण-बाधित कलाकार हैं जिन्होनें सामाजिक बाधाओं को चुनौती दी और फैशन, कला और शिल्प कला के क्षेत्र में अपना जुनून और निरंतरता दिखाई है। व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, वह उच्च प्रतियोगिताओं में लगातार भाग लेती रही हैं और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसमें फ्रांस में अंतर्राष्ट्रीय एबीलंपिक्स 2023 में रजत पदक जीतना शामिल है। प्रियंका की अटूट संकल्पशक्ति और कौशल विकास और मार्गदर्शन के माध्यम से साथी दिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने के प्रति प्रतिबद्धता ने उन्हें एक प्रेरणादायक रोल मॉडल बना दिया है। उनका सफर रचनात्मकता और विश्वास का प्रमाण है कि अपने लक्ष्य को पूरा करने में दिव्यांगता कोई बाधा नहीं है।
7		सुश्री अनन्या बिजेश	सुश्री अनन्या बिजेश, एक 18 वर्षीय 80% ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से पीड़ित लड़की, ने संगीत में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। कठिनाइयों के बावजूद, उन्होंने प्रतिष्ठित मंचों पर प्रस्तुति दी है, प्रसिद्ध कलाकारों के साथ गाया है, और 2022 में राज्य स्तरीय का उज्ज्वला बाल्यम पुरस्कारम और सर्वश्रेष्ठ रचनात्मक बाल पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

श्रेष्ठ दिव्यांगजन			
1		**श्री टिंकेश**	श्री टिंकेश कौशिक, 90% गतिविषयक दिव्यांगता के साथ एक ट्रिपल एम्प्यूटी हैं। इन्होनें सभी बाधाओं को पार कर साहसिक खेलों के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक ट्रैक करने वाले पहले ट्रिपल एम्प्यूटी के रूप में रिकॉर्ड बनाया है। अपनी फाउंडेशन के माध्यम से, वे दिव्यांगजनों के लिए समावेशी फिटनेस और मानसिक स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा प्रदान करते हैं.
2		**कुमारी कविता**	कुमारी कविता, जिन्हें पम्मल कविता के नाम से जाना जाता है, 80% गतिविषयक दिव्यांग हैं और पम्मल अन्नई थेरेसा हैंडीकैप्ड वेलफेयर ट्रस्ट का नेतृत्व करती हैं। उन्होंने 2019 में अपने परिवार की सामाजिक सेवा को पुनः शुरू किया, जिससे चेन्नई और आस-पास के जिलों में 1,200 से अधिक दिव्यांग व्यक्तियों को सहायता मिली। उनका ट्रस्ट सरकारी योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और स्वास्थ्य सेवाओं में सहायता प्रदान करता है, जिससे कई लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव आया है।
3		**श्री दानिश महाजन**	श्री दानिश महाजन 100% दृष्टिबाधित, एक साहसी अधिकार कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने 14 वर्ष की आयु में दृष्टिहीनता के बाद अपना जीवन बदला। रेडियो उड़ान जैसे उपक्रमों के माध्यम से उन्होंने दृष्टिबाधित समुदाय के लिए एक वैश्विक मंच तैयार किया, जिससे 50,000 से अधिक मासिक श्रोता जुड़े हैं। प्रेरणादायक भाषण, परामर्श, और प्रतिभा प्रतियोगिताओं का आयोजन उनके प्रमुख कार्यों में शामिल है। कैविनकेयर एबिलिटी अवार्ड जैसे पुरस्कार प्राप्त कर, महाजन ने दिव्यांग समुदाय को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

4		**सुश्री हिमानी बुंदेला**	सुश्री हिमानी बुंदेला, एक सड़क दुर्घटना के बाद 80% दृष्टिबाधित हो गईं। वे केंद्रीय विद्यालय में शिक्षिका हैं। उन्होनें कौन बनेगा करोड़पति) 2021) में 1 करोड़ रुपये जीतकर सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने समावेशी शिक्षा के लिए प्रोजेक्ट आशा के अंतर्गत सराहनीय काम किया। परामर्श शिविरों और संसाधन केंद्रों के माध्यम से उनके प्रयासों से हजारों लोग लाभान्वित हुए हैं। उनकी सेवाओं के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने उन्हें 2022 में बेस्ट रोल मॉडल अवार्ड से सम्मानित किया।
5		**श्री अशुतोष**	श्री अशुतोष, एक कुशल मॉडल और रंगमंच कलाकार हैं, जिन्होंने 100% श्रवण बाधा के बावजूद मॉडलिंग और नाट्य कला में उल्लेखनीय धैर्य और उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है। मिस्टर इंडिया प्लस 2021 का खिताब और कई राष्ट्रीय पुरस्कारों के धारक के रूप में, वह सामाजिक समानता और जागरूकता के लिए प्रेरणा बने हुए हैं।
6		**सुश्री कनिका मुकेश अग्रवाल**	सुश्री कनिका मुकेश अग्रवाल, 94 % श्रवण बाधित, एक कुशल मूक-बधिर शिक्षिका हैं। उन्होनें भारत में मूक-बधिर शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने मूक-बधिर सशक्तिकरण के लिए काम किया है और महाराष्ट्र में मूक-बधिर बच्चों के लिए समावेशी शिक्षण कार्यक्रम बनाए हैं। उनके नवाचारी द्विभाषी शिक्षण कार्य से मूक-बधिर बच्चों की शैक्षिक प्रगति में सुधार हुआ है, जिससे उनके कैरियर और आत्म-पहचान में वृद्धि हुई है। उनके प्रयासों से कई संगठन भी प्रभावित हुए हैं। .

7	RANVEER SINGH SAINI	**श्री रणवीर सिंह सैनी**	श्री रणवीर सिंह सैनी ने ,50% बौद्धिक दिव्यांगता के बावजूद, भारत की गोल्फ में छवि बदल दी है। 12 वर्ष की उम्र से प्रतिस्पर्धा करते हुए, उन्होंने एशिया पैसिफिक मास्टर्स में पहला स्वर्ण पदक जीता। 2015 में स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स में भारत के पहले गोल्फ स्वर्ण पदक विजेता बने और 2019 तथा 2023 में भी विजय प्राप्त की। उन्हें भीम पुरस्कार और खेल गौरव पुरस्कार सहित अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं और वे दृढ़ता के प्रतीक हैं।
8		**सुश्री नीति राकेश राठौड़**	सुश्री नीति राकेश राठौड़ 50% बौद्धिक दिव्यांगजन हैं। वे राजकोट, गुजरात की एक समर्पित पैरा -तैराक हैं, जिन्होंने तैराकी में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। 2012 से, उन्होंने विशेष ओलंपिक और पैरा ओलंपिक में जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीते हैं। नीति की दृढ़ता और तैराकी के प्रति जुनून कई लोगों को प्रेरित करता है। वह बच्चों को तैराकी का प्रशिक्षण भी देती हैं, जिससे उनमें खेल के प्रति रुचि बढ़ती है।
9		**डॉ .सुरेश हनागवाडी**	डॉ .सुरेश हनागवाडी 70% हीमोफिलिया से ग्रसित एक प्रसिद्ध पैथोलॉजी प्रोफेसर हैं जिन्होंने हीमोफिलिया के उपचार में सुधार हेतु अपना जीवन समर्पित किया। अपनी हीमोफिलिया की चुनौती के बावजूद, उन्होंने कर्नाटक का पहला उपचार केंद्र स्थापित किया, सरकारी समर्थन के लिए पैरवी की और जागरूकता अभियान चलाए। उनके योगदान ने कर्नाटक में रक्त विकार प्रबंधन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है और उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं।
10		**सुश्री मंजूदर्शिनी जी**	सुश्री मंजूदर्शिनी जी .50% थैलेसीमिया से ग्रसित हैं। उन्होनें अकादमिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपने मास्टर्स में5 वां स्थान प्राप्त किया है और अब वह कर्नाटक सरकार में उप-पंजीयक हैं। अपने कैरियर से परे वे थैलेसीमिया के बारे में जागरूकता बढ़ाती हैं और इसी तरह की स्थिति वाले अन्य लोगों को प्रेरित करती हैं। उनकी अनुकरणीय उपलब्धियाँ उन्हें दिव्यांगता से जूझ रहे अन्य लोगों के लिए एक आदर्श बनाती हैं।

श्रेष्ठ दिव्यांग बालबालिका/			
1	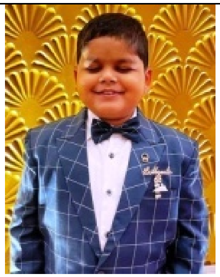	**मास्टर प्रथमेश सिन्हा**	मास्टर प्रथमेश सिन्हा, 13 वर्षीय पुणे निवासी, एक प्रेरक वक्ता हैं जो दृष्टिहीन बच्चों और कैंसर पीड़ितों के समर्थक हैं। शैशवावस्था से 100% दृष्टिबाधित होने के बावजूद उन्होंने ब्रेल साक्षरता के लिए ANNIE उपकरण का प्रचार किया, जिसे उन्होंने *शार्क टैंक इंडिया* और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष प्रस्तुत किया। कैंसर पीड़ितों का समर्थन करते हुए और दृष्टिबधितों को सशक्त बनाते हुए, प्रथमेश की प्रेरणा देने वाली यह यात्रा जारी है।
2		**कुमारी जानवी**	100% श्रवण बाधित कुमारी जानवी, हरियाणा के हिसार से 13 वर्षीय प्रतिभाशाली छात्रा हैं, जिन्होंने गंभीर श्रवण बाधिता के बावजूद विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने निबंध लेखन, शतरंज, चित्रकला और नाटक में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर पुरस्कार जीते हैं। जानवी की प्रतिबद्धता और शैक्षिक उत्कृष्टता उनकी दृढ़ता और समर्पण को दर्शाती है। उनकी उपलब्धियाँ उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाते हुए श्रवण बाधित व्यक्तियों के लिए प्रेरणा और समावेशिता को बढ़ावा देती हैं।
	सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति -दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए कार्यरत”		
1	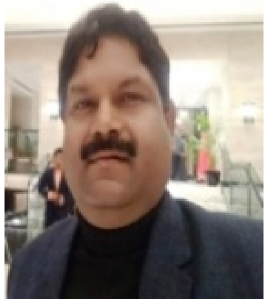	**डॉ .संजय कुमार शर्मा**	डॉ. संजय कुमार शर्मा ने पिछले 34 वर्षों से भारत, विशेषकर बुंदेलखंड क्षेत्र में, मानसिक रोगियों के पुनर्वास के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। अपने निजी प्रयासों और धन से वे ऐसे व्यक्तियों को बचाते हैं और उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ते हैं। मानसिक स्वास्थ्य और नशा मुक्ति पर जागरूकता बढ़ाने में भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए, डॉ. शर्मा का उद्देश्य समाज को संवेदना और सेवा के माध्यम से सशक्त बनाना है।

दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ पुनर्वास पेशेवर/कार्मिक			
1		**डॉ .सरोज आर्य**	डॉ. सरोज आर्य, एक नैदानिक मनोवैज्ञानिक हैं। इन्होनें बौद्धिक रूप से प्रभावित लोगों के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, सिकंदराबाद, बौद्धिक दिव्यांगता के लिए एक शीर्ष संस्थान, में कई सेवाओं की स्थापना और विकास किया। 30 वर्षों से अधिक के अनुसंधान अनुभव के साथ, उन्होंने NIEPID भारतीय बुद्धिमत्ता परीक्षण और भारतीय आत्मकेंद्रित मूल्यांकन पैमाना जैसे आवश्यक मूल्यांकन उपकरण विकसित किए। उनके मानव संसाधन विकास, अनुसंधान और सामुदायिक सेवा में कार्य ने पूरे भारत में पुनर्वास सेवाओं पर गहरा प्रभाव डाला है।
	दिव्यांगता के सशक्तिकरण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान/नवप्रवर्तन/उत्पाद विकास		
1		**श्रीमती दीप्ति प्रसाद**	श्रीमती दीप्ति प्रसाद एक दूरदर्शी उद्यमी और सुगम्यता अधिवक्ता हैं, जिन्होंने दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए मनोरंजन को सुलभ बनाने के लिए नोबाफ्लिक्स और एक्सएल सिनेमा की स्थापना की। उनके प्लेटफार्म ऑडियो विवरण प्रदान करते हैं, जिससे 300 से अधिक फ़िल्में सुलभ हुई हैं। नोबाफ्लिक्स ने तेजी से वृद्धि की है और 40+ संगठनों के साथ साझेदारी का समर्थन प्राप्त किया है। लीडर्स अवॉर्ड और सिस्को स्पेशल ज्यूरी अवार्ड सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित, दीप्ति का कार्य समावेशिता को बढ़ावा देता है।

II. दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में कार्यरत संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार – 2024

•

S.No.	दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ संस्थान- (निजी संगठन, एनजीओ)	
1	मिट्टी कैफे	वर्तमान में, मिट्टी कैफे भारत भर में लगभग 50 स्थानों पर संचालित है, जिसमें राष्ट्रपति भवन और भारत का सर्वोच्च न्यायालय जैसे प्रतिष्ठित स्थल शामिल हैं। मिट्टी कैफे दुनिया में दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा चलाए जाने वाले कैफे की सबसे बड़ी श्रृंखला है। मिट्टी कैफे ने 6500 से अधिक आजीविकाएँ बनाई हैं। मिट्टी कैफे के दिव्यांग योद्धाओं ने कैफे के माध्यम से 1.3 करोड़ भोजन परोसे हैं, जिससे प्रत्येक भोजन के साथ समावेशन के बारे में जागरूकता पैदा हुई है। मिट्टी द्वारा कमजोर समुदायों को 60 लाख से अधिक "करुणा भोजन" भी प्रदान किए गए हैं। आज राष्ट्रीय और वैश्विक मान्यता के साथ मिट्टी कैफे सम्मान, सशक्तिकरण और समावेशन, के लिए एक आंदोलन है जिसका लक्ष्य दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन को बदलना है।
2	बॉम्बे सेंट जेवियर्स कॉलेज सोसाइटी विभाग **XRCVC** सेंट जेवियर्स कॉलेज मुंबई का हिस्सा जोड़ें सेंट जेवियर्स कॉलेज	बॉम्बे सेंट जेवियर्स कॉलेज सोसाइटी) XRCVC), मुंबई ने दिव्यांग छात्रों के समावेशी शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया है, जिसके माध्यम से 54,000 से अधिक लोगों को लाभ मिला है। 2003 में स्थापना के बाद, XRCVC राष्ट्रीय स्तर का सहायक तकनीकी केंद्र बन गया है, जो दिव्यांगों के लिए विभिन्न संसाधन और प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसके कार्यक्रमों ने भारत में सुगम्य शिक्षा, STEM और वित्तीय पहुंच के लिए नीतिगत बदलावों पर प्रभाव डाला है, जिसके लिए इसे कई राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं।
दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता (सरकारी संस्थान / सार्वजनिक उपक्रम / निकाय / निजी क्षेत्र.)		
1	जोमैटो लिमिटेड	2022 में शुरू किए गए ज़ोमैटो के प्रोजेक्ट ज़ील ने 50 शहरों में 600 से अधिक दिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त रोज़गार प्रदान किया है। ज़ोमैटो की यह पहल दिव्यांगजनों के वित्तीय स्वतंत्रता, सामाजिक समावेश और आत्मविश्वास को बढ़ावा देती है। ज़ोमैटो का लक्ष्य वर्ष के अंत तक 1,000 दिव्यांग साझेदारों को अपने साथ शामिल करना है।

2	**मिंडा कॉर्पोरेशन लिमिटेड**	1985 में स्थापित, मिंडा कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा, उत्तर प्रदेश अग्रणी ऑटोमोटिव पार्ट निर्माता है। इसके "सक्षम" कार्यक्रम के माध्यम से कंपनी ने 21,000 से अधिक दिव्यांगजनों को सशक्त किया है और 1,000 से अधिक को रोजगार प्रदान किया है। अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए संस्था को प्राप्त प्रमुख पुरस्कारों में राष्ट्रीय सीएसआर पुरस्कार (2019) और सीआईआई आईटीसी सस्टेनेबिलिटी पुरस्कार (2023) शामिल हैं।
दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट एजेंसी (सरकारी / राज्य सरकार / स्थानीय निकाय को छोड़कर)		
1	**एटिपिकल प्लेटफॉर्म प्राइवेट लिमिटेड**	एटिपिकल एडवांटेज, भारत का एक अग्रणी प्लेटफॉर्म है जो 20,000 से अधिक दिव्यांगजनों को नौकरी और कलात्मक अवसर प्रदान करता है। अपने तीन वर्षों की यात्रा के दौरान, इसने अमेज़न और नेस्ले जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में 508 पूर्णकालिक नौकरियों की पेशकश करवाई है। यह प्लेटफार्म 250 से अधिक वैश्विक ब्रांड्स के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रमों और साझेदारियों के माध्यम से विविधता को बढ़ावा देता है। इसे 2023 में सामाजिक प्रभाव श्रेणी में नेशनल स्टार्टअप अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।
सुगम्य भारत अभियान के कार्यान्वियन में बाधामुक्त वातावरण के सृजन में सर्वश्रेष्ठ राज्य / संघ राज्य क्षेत्र / जिला		
1	**जिला सलूम्बर, राजस्थान**	राजस्थान के सलूम्बर जिला प्रशासन ने 'सुगम्य भारत अभियान' के तहत 1,000 से अधिक सरकारी इमारतों को दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुगम्य बनाया है। इनके प्रयासों में रैंप, लिफ्ट का प्रावधान करना और दिव्यांगजनों की पहचान के लिए घर-घर सर्वेक्षण शामिल है। जिला प्रशासन द्वारा चलाए गए अभियान ने 5,900 से अधिक दिव्यांग प्रमाणपत्र और 4,400 UDID कार्ड तथा गैर सरकारी संगठनों और विभिन्न विभागों के सहयोग से दिव्यांग समुदाय के लिए बेहतर सुगम्यता और जागरूकता सुनिश्चित की गई।
सर्वश्रेष्ठ सुगम्य यातायात के साधन संचार सूचना एव / प्रौद्योगिकी (निजी (सरकारी संगठन /		
1	**स्टार स्पोर्ट्स**	स्टार स्पोर्ट्स ने आईपीएल 2024 और आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप 2024 में लाइव सांकेतिक भाषा और वर्णनात्मक ऑडियो की शुरुआत कर खेल प्रसारण में समावेशिता की नई मिसाल पेश की। इस पहल ने 80 मिलियन दिव्यांग प्रशंसकों को लाभ पहुंचाया। इंडिया साइनिंग हैंड्स के साथ उनकी भागीदारी ने खेल की समान पहुंच सुनिश्चित कर एक नया मानदंड स्थापित किया। नवाचार और समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, स्टार स्पोर्ट्स ने खेल को समुदायों को एकजुट और सशक्त बनाने का माध्यम बनाया है।

दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम / यूडीआईडी एवं दिव्यांग सशक्तिकरण की अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र / जिला		
1	समग्र शिक्षा आंध्र प्रदेश	समग्र शिक्षा आंध्र प्रदेश समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी है, जो 26 जिलों में 73,815 दिव्यांग बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करता है। इसके अनूठे प्रयास, जैसे **इन्क्लूसिव डिजिटल फेस्ट** और **मास इन्क्लूसिव योगा इवेंट्स**, को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर **वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स** में मान्यता मिली है। शिक्षण सहायक सामग्री वितरित कर, सुलभ STEM शिक्षा लागू कर, और **शून्य अस्वीकृति नीति** के तहत हर बच्चे को शामिल कर, यह संस्था समतावादी शिक्षा की मिसाल है।
2	डूंगरपुर, राजस्थान	राजस्थान के डूंगरपुर जिला प्रशासन ने" नो वन लेफ्ट बिहाइंड "अभियान के तहत **8,692 दिव्यांगजनों** को पेंशन, **5,100 यूडीआईडी कार्ड**, और **217 स्व-सहायता समूहों** के माध्यम से 1,057 दिव्यांगजनों को सहायता प्रदान की। **मनरेगा** के तहत, 2023-24 में 7,232 दिव्यांगजनों ने 2.5 लाख कार्य दिवस सृजित किए और ₹4.6 करोड़ की मजदूरी अर्जित की। दिव्यांगजनों के समावेश और सशक्तिकरण में इनके प्रयासों ने कल्याणकारी योजनाओं और पहुंच में एक नई मिसाल कायम की है।
	दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम 2016 के कार्यान्वयन हेतु अपने राज्य में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु राज्य दिव्यांगजन आयुक्त।	
1	दिव्यांग व्यक्तियों के राज्य आयुक्त, गुजरात	राज्य आयुक्त दिव्यांगजन ,गुजरात ने स्वतः प्रभावी कदम उठाते हुए गुजरात में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके कुशल नेतृत्व में दिव्यांगजन आयुक्त कार्यालय, गुजरात ने 2023-24 में 506 मामलों का निपटारा किया, विभिन्न जिलों में मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया और स्व-रोजगार व जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया। रोजगार मेलों, कार्यशालाओं, और बुनियादी ढांचे में सुगम्यता को लागू करते हुए इस कार्यालय ने दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई है तथा दिव्यांगजनों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की है।
पुनर्वास पेशेवरों के विकास में संलग्न सर्वश्रेष्ठ संगठन		
1	**ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग मैसूर**	1965 में स्थापित तथा मैसूर स्थित अखिल भारतीय श्रवण एवं वाक् संस्थान) AIISH), वाक्, भाषा, और श्रवण विज्ञान के विकास हेतु एक प्रमुख संस्था है। पिछले दशक में, AIISH ने 2,783 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया, 6,65,194 से अधिक व्यक्तियों को नैदानिक सेवाएं दीं, और 2,40,607 नवजात शिशुओं की स्क्रीनिंग की। यह संचार विकारों में अनुसंधान, नैदानिक देखभाल और जन जागरूकता में भारत का अग्रणी संस्थान है, जिसे भारत सरकार द्वारा उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।